



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 228]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अक्टूबर 12, 2012/आश्विन 20, 1934

No. 228]

NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 12, 2012/ASVINA 20, 1934

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 12 अक्टूबर, 2012

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

(पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) (चौथा संशोधन) विनियम, 2012

सं. एलएडी-एनआरओ/जीएन/2012-13/18/5391.—बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

1. इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) (चौथा संशोधन) विनियम, 2012 कहा जा सकेगा।

2. वे राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

3. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009 में,—

(i) विनियम 2 में, उप-विनियम (1) में, खंड (छ) के पश्चात्, निम्नलिखित नया खंड अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

“(छक) “साधारण कारपोरेट प्रयोजनों” में ऐसे परिलक्षित प्रयोजन समिलित हैं जिनके लिए कोई विनिर्दिष्ट रकम आबंटित नहीं की जाती है या साधारण कारपोरेट प्रयोजन अथवा किसी ऐसे प्रयोजन चाहे किसी भी नाम से पुकारा जाये, हेतु इस प्रकार विनिर्दिष्ट कोई रकम या किसी ऐसे नाम से, बोर्ड के पास दाखिल प्रारूप दस्तावेज में :

परंतु यह कि निर्गम से संबंधित किसी व्यय को केवल इसलिए साधारण कारपोरेट प्रयोजन के भागस्वरूप नहीं माना जायेगा कि कोई भी विनिर्दिष्ट रकम ऐसे व्ययों के लिए बोर्ड के पास दाखिल प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज में आबंटित नहीं की गयी है।"

(ii) विनियम 4 में, उप-विनियम (3) के पश्चात्, निम्नलिखित नया उप-विनियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् -

"(4) साधारण कारपोरेट प्रयोजनों के लिए रकम, बोर्ड के पास दाखिल प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज में निर्गम के उद्देश्यों में यथा उल्लिखित, विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के निर्गमन के जरिये निर्गमकर्ता द्वारा जुटायी गयी रकम के पच्चीस प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।"

(iii) विनियम 5 में, -

(क) उप-विनियम (3) में, पूर्ण विराम के लिए, चिह्न ":" प्रतिस्थापित हो जायेगा;

(ख) उप-विनियम (3) के पश्चात्, निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्, -

"परंतु यह कि जहाँ मर्केट बैंककारों में से कोई मर्केट बैंककार निर्गमकर्ता का सहयुक्त हो, वहाँ यह स्वयं को विपणन अग्रणी प्रबंधक के रूप में घोषित करेगा और इसकी भूमिका निर्गम के विपणन तक सीमित होगी।"

(iv) विनियम 10 में, उप-विनियम (1) में, खंड (ख) में शब्द "पाँच हजार करोड़ रुपये" शब्दों "तीन हजार करोड़ रुपये" से प्रतिस्थापित हो जायेंगे;

(v) विनियम 11 में, उप-विनियम (4) के पश्चात्, निम्नलिखित नया उप-विनियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् -

"(5) कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रारंभिक (रैड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस को रजिस्टर किये जाने की तारीख से कम से कम तीन कार्य दिवसों के पश्चात् निर्गम खोला जायेगा।"

(vi) विनियम 13 में, उप-विनियम (2) में, परंतुक में, शब्द "पचास प्रतिशत", शब्दों "पचहत्तर प्रतिशत" से प्रतिस्थापित हो जायेंगे।

(vii) विनियम 26 में, उप-विनियम (1) में, खंड (ख) के लिए, निम्नलिखित प्रतिस्थापित हो जायेगा, अर्थात् -

"(ख) इसका ठीक पहले के पाँच वर्षों में से तीन सर्वाधिक लाभदायी वर्षों के दौरान पंद्रह करोड़ रुपये का न्यूनतम औसत कर-पूर्व परिचालन लाभ (एवरेज प्री-टैक्स ऑपरेटिंग प्रॉफिट), रीस्टेटेड तथा समेकित आधार पर संगणित, हो ।"

(viii) विनियम 26 में, उप-विनियम (2) निम्नलिखित से प्रतिस्थापित हो जायेगा, अर्थात्,

"(2) उप-विनियम (1) में नियत शर्त को पूरा न करने वाला निर्गमकर्ता आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव ला सकेगा, यदि निर्गम बही निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से लाया जाता है और निर्गमकर्ता, जनता को शुद्ध प्रस्ताव का कम से कम पचास प्रतिशत, अर्हित संस्थागत क्रेताओं को आबंटित करने का तथा यदि यह अर्हित संस्थागत क्रेताओं को उक्त न्यूनतम आबंटन करने में असफल रहता है तो पूरी अभिदान धनराशि को लौटाने का वचन देता है ।"

(ix) विनियम 30 में,-

(क) उप-विनियम (2) में,

- (i) शब्दों "यदि निम्नतम कीमत या मूल्य दायरे का उल्लेख प्रारंभिक (रैड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस में नहीं किया जाता है, तो" का लोप हो जायेगा ;
- (ii) शब्द "दो कार्य-दिवसों", शब्दों "पाँच कार्य-दिवसों" से प्रतिस्थापित हो जायेंगे ;

(ख) उप-विनियम (3) के पश्चात्, निम्नलिखित नया उप-विनियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् -

"(3क) उप-विनियम (2) में निर्दिष्ट घोषणा और उप-विनियम (3) में निर्दिष्ट सुसंगत वित्तीय अनुपात उन स्टॉक एक्सचेंजों के वेबसाइटों पर प्रकट किये जायेंगे जहाँ प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध किये जाने के लिए प्रस्तावित हों और जो स्टॉक एक्सचेंजों के वेबसाइटों पर उपलब्ध आवेदन प्रूफों में पहले से भरे हुए भी होंगे ।"

(x) विनियम 32 में, उप-विनियम (1) में -

(क) खंड (क) में, चिह्न ":" के लिए चिह्न ":" प्रतिस्थापित हो जायेगा ;

(ख) खंड (क) के पश्चात् निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् -

"परंतु यह कि यदि संप्रवर्तकों की निर्गम के पश्चात् की शेयरधारिता बीस प्रतिशत से कम हो, तो आनुकूलिक विनिधान (निवेश) निधियाँ संप्रवर्तकों के

लिए यथा विनिर्दिष्ट न्यूनतम अंशदान में कमी को पूरा करने के प्रयोजनार्थ अंशदान कर सकेंगी, निर्गम के पश्चात् की पूँजी के अधिकतम दस प्रतिशत के अध्यधीन ।"

(xi) विनियम 33 में, उप-विनियम (1) में -

क. खंड (ख) में, शब्दों "के दौरान संप्रवर्तकों" के पश्चात्, शब्द "और आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियों" अंतःस्थापित किये जायेंगे ।

ख. खंड (ख) में, परंतुक में, पैरा (i) में, शब्दों "यदि संप्रवर्तक" के पश्चात्, शब्द और चिह्न "/ आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियाँ, जैसा लागू हो" अंतःस्थापित किये जायेंगे ।

ग. खंड (ग) में, शब्दों "कीमत पर संप्रवर्तकों" के पश्चात्, शब्द "और आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियों" अंतःस्थापित किये जायेंगे ।

(xii) विनियम 36 में, खंड (क) में, शब्दों "संप्रवर्तकों का न्यूनतम अंशदान" के पश्चात् और शब्दों "वाणिज्यिक उत्पादन" के पूर्व, शब्द और चिह्न ", जिसमें आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियों, विनियम 32 के उप-विनियम (1) के खंड (क) के परंतुक में निर्दिष्ट, द्वारा किया गया अंशदान सम्मिलित है," अंतःस्थापित किये जायेंगे ।

(xiii) विनियम 43 में,

(क) उप-विनियम (2) निम्नलिखित से प्रतिस्थापित हो जायेगा, अर्थात् -

"(2) विनियम 26 के उप-विनियम (1) के अधीन बही निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से लाये गये निर्गम में, जनता को शुद्ध प्रस्ताव संबंधी प्रवर्ग में आबंटन निम्नानुसार होगा :

(क) जो छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को पैंतीस प्रतिशत से कम न हो ;

(ख) जो गैर संस्थागत विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को पंद्रह प्रतिशत से कम न हो ;

(ग) जो अहित संस्थागत क्रेताओं को पचास प्रतिशत से अधिक न हो, जिसका पाँच प्रतिशत पारस्परिक निधियों को आबंटित किया जायेगा :

परंतु यह कि खंड (ग) के अनुसार उपलब्ध पाँच प्रतिशत आबंटन के अतिरिक्त, पारस्परिक निधियाँ अहित संस्थागत क्रेताओं हेतु शेष उपलब्ध के अधीन आबंटन के लिए पात्र होंगी ।" ;

(ख) उप-विनियम (2) के पश्चात्, निम्नलिखित नया उप-विनियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

"(2क) विनियम 26 के उप-विनियम (2) के अधीन बही निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से लाये गये निर्गम में, जनता को शुद्ध प्रस्ताव संबंधी प्रवर्ग में आबंटन निम्नानुसार होगा :

(क) जो छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को दस प्रतिशत से अधिक न हो ;

(ख) जो गैर संस्थागत विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को पंद्रह प्रतिशत से अधिक न हो ;

(ग) जो अर्हित संस्थागत क्रेताओं को पचहत्तर प्रतिशत से कम न हो, जिसका पाँच प्रतिशत पारस्परिक निधियों को आबंटित किया जायेगा :

परंतु यह कि खंड (ग) के अनुसार उपलब्ध पाँच प्रतिशत आबंटन के अतिरिक्त, पारस्परिक निधियाँ अर्हित संस्थागत क्रेताओं हेतु शेष उपलब्ध के अधीन आबंटन के लिए पात्र होंगी । "

(xiv) विनियम 49 में, उप-विनियम (1) में, शब्द "पाँच हजार रुपये से सात हजार रुपये", शब्दों "दस हजार रुपये से पंद्रह हजार रुपये" से प्रतिस्थापित हो जायेंगे।

(xv) विनियम 50 में, -

(क) उप-विनियम (1) में, शब्दों और चिह्नों "एंकर विनिधानकर्ताओं (निवेशकों)" के पूर्व, शब्द "छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) और" अंतःस्थापित किये जायेंगे ;

(ख) उप-विनियम (1) के पश्चात्, निम्नलिखित नया उप-विनियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्, -

"(1क) प्रत्येक छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ता (निवेशक) को विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का आबंटन न्यूनतम बोली लॉट (बिड लॉट) से कम नहीं होगा, छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ता (निवेशक) संबंधी प्रवर्ग के लिए शेयरों की उपलब्धता के अध्यधीन, और शेष उपलब्ध शेयर, यदि कोई हों, आनुपातिक आधार पर आबंटित किये जायेंगे ।"

(xvi) विनियम 51 के पश्चात्, निम्नलिखित नया विनियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्, -

"प्रस्ताव दस्तावेज का वार्षिक अद्यतनीकरण

51क. आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव लाते समय प्रारंभिक (रैड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस में किये गये प्रकटीकरण, निर्गमकर्ता द्वारा वार्षिक आधार पर अद्यतन किये जायेंगे और बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट प्रकार से सार्वजनिक रूप से पहुँचयोग्य बनाये जायेंगे ।"

(xvii) विनियम 57 में, उप-विनियम (2) में, -

(क) खंड (ख) में, पूर्ण विराम के लिए चिह्न ":" प्रतिस्थापित हो जायेगा ;

(ख) खंड (ख) के पश्चात्, निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् -

"परंतु यह कि बाद वाले सार्वजनिक प्रस्ताव या साधिकार निर्गम के मामले में, प्रस्ताव दस्तावेज के बारे में यह समझा जायेगा कि इसने इस विनियम के उपबंधों का पालन कर लिया है, यदि इन विनियमों के विनियम 51क में निर्दिष्ट प्रस्ताव दस्तावेज में अद्यतन प्रकटीकरणों के यथोचित संदर्भ दिये जाते हैं।"

(xviii) विनियम 85 में, -

(क) उप-विनियम (1) में, पूर्ण विराम के लिए चिह्न ":" प्रतिस्थापित हो जायेगा ;

(ख) उप-विनियम (1) के पश्चात्, निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्, -

"परंतु यह कि निर्गमकर्ता अर्हित संस्था नियोजन के लिए इस प्रकार संगणित कीमत पर पाँच प्रतिशत से अनधिक छूट (डिस्काउंट) का प्रस्ताव दे सकेगा, इन विनियमों के विनियम 82 के खंड (क) में यथा विनिर्दिष्ट शेयरधारकों के अनुमोदन के अध्यधीन ।"

(xix) अनुसूची VI में, प्ररूप क में, पैरा (16) के पश्चात्, निम्नलिखित पैरा अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् -

"(17) हम प्रमाणित करते हैं कि संबंधित पक्षकार के संव्यवहारों से लाभ समुचित कारबार संबंधी संव्यवहारों से उद्भूत हुए हैं ।"

(xx) अनुसूची VII में, -

(क) पैरा (1) में, -

(I) खंड (घ) में, -

- (i) शब्दों "या कमी" का लोप हो जायेगा ;
- (ii) शब्द "परिवर्तन", शब्द "बढ़ोतरी" से प्रतिस्थापित हो जायेगा ;
- (iii) शब्द "दस प्रतिशत", शब्दों "बीस प्रतिशत" से प्रतिस्थापित हो जायेंगे ;
- (iv) पूर्ण विराम के पश्चात्, निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् -

"हालाँकि, यदि ऐसा विश्वास करने के आधार हैं कि उद्देश्य में कमी करने के कारण जोखिम बढ़ सकता है, जिसके परिणामस्वरूप निर्गम के आकार में बीस प्रतिशत से अधिक तक की कमी आ जाती है, तो बोर्ड प्रस्ताव दस्तावेज को नये सिरे से फीस के साथ दाखिल करने की अपेक्षा कर सकेगा ।"

- (II) खंड (ङ) में, शब्द "दस प्रतिशत", शब्दों "बीस प्रतिशत" से प्रतिस्थापित हो जायेंगे ;
- (III) खंड (छ) में, -
 - (i) खंड (छ) को "खंड (च)" के रूप में पढ़ा जायेगा ;
 - (ii) शब्दों "या कमी" का लोप हो जायेगा ;
 - (iii) शब्द "दस प्रतिशत", शब्दों "बीस प्रतिशत" से प्रतिस्थापित हो जायेंगे ;
- (IV) खंड (ज) को "खंड (छ)" के रूप में पढ़ा जायेगा ;
- (ख) पैरा (2) में, खंड (क) में, उप-खंड (iii) में, शब्द "दस प्रतिशत से अनधिक", शब्दों और चिह्नों "10% से अधिक और 20% से अनधिक तक" से प्रतिस्थापित हो जायेंगे ।
- (xxi) अनुसूची VIII में, भाग क में, पैरा 2 में, मद (I) में, उप-मद (क) में, खंड (2) में, उप-खंड (झ) में, पूर्ण विराम के पश्चात्, निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्, -

"जहाँ मर्चेंट बैंककारों में से कोई मर्चेंट बैंककार निर्गमकर्ता का सहयुक्त हो, वहाँ यह उसे प्रकट करेगा और स्वयं को 'विपणन अग्रणी प्रबंधक' घोषित करेगा ।"
- (xxii) अनुसूची XI में, भाग क में, -
 - (क) पैरा 12 में, -

(I) खंड (झ) के लिए, निम्नलिखित खंड प्रतिस्थापित हो जायेगा, अर्थात् -
 "(झ) छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ता (निवेशक) आबंटन को अंतिम रूप दिये जाने तक या तो अपनी बोलियों को वापस ले सकेंगे या संशोधित कर सकेंगे ।"

(II) खंड (झ) के पश्चात् दिये हुए खंड (ज) के लिए, निम्नलिखित खंड प्रतिस्थापित हो जायेगा, अर्थात्, -
 "(ज) अर्हित संस्थागत क्रेता और गैर-संस्थागत विनिधानकर्ता (निवेशक) किसी भी अवस्था पर न तो अपनी बोलियों को वापस लेंगे और न ही उनके आकार को कम करेंगे ।"

(III) खंड (ट) के पश्चात् दिये हुए खंड को खंड (ठ) के रूप में पढ़ा जायेगा ।

(ख) पैरा 15 में, -

(I) खंड (क) में, -

(i) शब्दों और चिह्न "छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ताओं," का लोप हो जायेगा ;
 (ii) पूर्ण विराम के पश्चात्, निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्, -
 "छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को आबंटन इन विनियमों के विनियम 50 के उप-विनियम (1क) में निर्दिष्ट रूप से किया जायेगा ।"

(II) खंड (ख) में, परंतुक निम्नलिखित से प्रतिस्थापित हो जायेगा, अर्थात्, -
 "परंतु यह कि अर्हित संस्थागत क्रेता प्रवर्ग में वह भाग जो अभिदत्त न हुआ हो अन्य प्रवर्गों को अभिदान के लिए उपलब्ध नहीं होगा ।"

(xxiii) अनुसूची XIV के लिए, निम्नलिखित प्रतिस्थापित हो जायेगा, अर्थात् :-

"अनुसूची XIV

[विनियम 49 (2) देखें]

न्यूनतम आवेदन आकार को स्पष्ट करने वाला उदाहरण

विनियम 49 के उप-विनियम (2) में यथा विनिर्दिष्ट न्यूनतम मूल्य के गुणकों में आवेदन आमंत्रित करने के लिए, प्रक्रिया निम्नलिखित उदाहरण द्वारा स्पष्ट की गयी है :

यह कल्पना करते हुए कि निर्गम 900 रुपये प्रति इक्विटी शेयर की कीमत पर लाया जा रहा है। इस मामले में, निर्गमकर्ता अग्रणी मर्चेंट बैंककार के परामर्श से 12 - 16 इक्विटी शेयरों की सीमा के भीतर न्यूनतम आवेदन लॉट का अवधारण कर सकता है (मूल्य के लिहाज से 10,000 रुपये - 15,000 रुपये के बीच), जैसा इसके नीचे स्पष्ट किया गया है :

विकल्प	I	II	III	IV	V
लॉट का आकार - रु.900/- प्रति शेयर की दर पर	12 शेयर	13 शेयर	14 शेयर	15 शेयर	16 शेयर
1 लॉट के लिए आवेदन / बोली राशि	10800	11700	12600	13500	14400
2 लॉटों के लिए आवेदन / बोली राशि	21600	23400	25200	27000	28800
4 लॉटों के लिए आवेदन / बोली राशि	43200	46800	50400	54000	57600
8 लॉटों के लिए आवेदन / बोली राशि	86400	93600	100800	108000	115200
16 लॉटों के लिए आवेदन / बोली राशि	172800	187200	—	—	—
18 लॉटों के लिए आवेदन / बोली राशि	194400	—	—	—	—

ऊपर दिये गये विकल्प केवल उदाहरणस्वरूप हैं और पूर्ण नहीं हैं।

जहाँ निर्गमकर्ता अग्रणी मर्चेंट बैंककार के परामर्श से न्यूनतम आवेदन / बोली आकार को 14 (विकल्प III) पर नियत करने का विनिश्चय करता है, वहाँ प्रस्ताव दस्तावेज में इस भाव के आवश्यक प्रकटीकरण किये जायेंगे कि आवेदक 14 शेयरों तथा उनके गुणकों में आवेदन कर सकता है।"

(xxiv) अनुसूची XV के लिए, निम्नलिखित प्रतिस्थापित हो जायेगा, अर्थात् :-

"अनुसूची XV
[विनियम 50 (2), 106 और अनुसूची XI देखें]
आबंटन की प्रक्रिया को स्पष्ट करने वाला उदाहरण

क.

(1) 600 रुपये प्रति शेयर की दर से प्रस्ताव पर विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की कुल सं. : 1 करोड़ विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ।

3891 4/12-3

(2) छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के प्रवर्ग के लिए प्रस्ताव पर विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ : 35 लाख विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ ।

(3) निर्गम 2.5 गुना अति-अभिदत्त है जबकि छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ताओं का प्रवर्ग 4 गुना अति-अभिदत्त है ।

(4) निर्गमकर्ता न्यूनतम आवेदन / बोली आकार को 20 विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों (रु. 10,000 - 15,000 की सीमा(श्रेणी) के भीतर आने वाली) के तौर पर नियत करने का विनिश्चय करता है । आवेदन न्यूनतम 20 विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों हेतु और उनके गुणकों में किया जा सकता है ।

(5) कल्पना करें कि कुल एक लाख छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) ने निर्गम में आवेदन किया है, बोली लॉट (बिड लॉट) की भिन्न-भिन्न संख्या में अर्थात्, 1 - 16 बोली लॉट के बीच, 2,00,000 रुपये तक के अधिकतम आवेदन आकार के आधार पर ।

(6) एक लाख विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) में से, क, ख, ग, घ और ड पाँच छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ता (निवेशक) हैं जिन्होंने निम्नानुसार आवेदन किया है : क ने 320 विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के लिए आवेदन किया है । ख ने 220 विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के लिए आवेदन किया है । ग ने 120 विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के लिए आवेदन किया है । घ ने 60 विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के लिए आवेदन किया है और ड ने 20 विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के लिए आवेदन किया है ।

(7) आबंटन प्रक्रिया के अनुसार, छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को आबंटन न्यूनतम बोली लॉट से कम नहीं होगा, शेयरों की उपलब्धता के अध्यधीन, और शेष उपलब्ध शेयर, यदि कोई हों, आनुपातिक आधार पर आबंटित किये जायेंगे ।

वास्तविक हकदारी निम्नानुसार होगी :

क्र.सं.	विनिधानकर्ता (निवेशक) का नाम	विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की कुल संख्या - जिनके लिए आवेदन किया	आबंटित किये जाने के लिए पात्र विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की कुल संख्या
1	क	320	20 विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ (अर्थात् न्यूनतम बोली (बिड) लॉट) + 38 विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ $\lceil \{35,00,000 - (1,00,000 * 20)\} / \{140,00,000 - (1,00,000 * 20)\} \rceil * 300$ (अर्थात् 320-20)
2	ख	220	20 विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ (अर्थात् न्यूनतम बोली (बिड) लॉट) + 25 विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ $\lceil \{35,00,000 - (1,00,000 * 20)\} \rceil /$

			$\{140,00,000 - (1,00,000 * 20)\} * 200$ (अर्थात् 220-20)
3	ग	120	20 विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ (अर्थात् न्यूनतम बोली (बिड) लॉट) + 13 विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ [$\{35,00,000 - (1,00,000 * 20)\} /$ $\{140,00,000 - (1,00,000 * 20)\} * 100$ (अर्थात् 120-20)]
4	घ	60	20 विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ (अर्थात् न्यूनतम बोली (बिड) लॉट) + 5 विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ [$\{35,00,000 - (1,00,000 * 20)\} /$ $\{140,00,000 - (1,00,000 * 20)\} * 40$ (अर्थात् 60-20)]
5	ड	20	20 विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ (अर्थात् न्यूनतम बोली (बिड) लॉट)

ख.

- (1) 600 रुपये प्रति शेयर की दर से प्रस्ताव पर विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की कुल सं. : 1 करोड़ विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ ।
- (2) छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के प्रवर्ग के लिए प्रस्ताव पर विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ : 35 लाख विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ ।
- (3) निर्गम 7 गुना अति-अभिदत्त है जबकि छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ताओं का प्रवर्ग 9.37 गुना अति-अभिदत्त है ।
- (4) निर्गमकर्ता न्यूनतम आवेदन / बोली आकार को 20 विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों (रु. 10,000 - 15,000 की सीमा(श्रेणी) के भीतर आने वाली) के तौर पर नियत करने का विनिश्चय करता है । आवेदन न्यूनतम 20 विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों हेतु और उनके गुणकों में किया जा सकता है ।
- (5) कल्पना करें कि कुल दो लाख छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) ने निर्गम में आवेदन किया है, बोली लॉट (बिड लॉट) की भिन्न-भिन्न संख्या में अर्थात्, 1 - 16 बोली लॉट के बीच, 2,00,000 रुपये तक के अधिकतम आवेदन आकार के आधार पर, नीचे दर्शायी गयी सारणी के अनुसार ।
- (6) आबंटन प्रक्रिया के अनुसार, छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को आबंटन न्यूनतम बोली लॉट से कम नहीं होगा, शेयरों की उपलब्धता के अध्यधीन ।
- (7) चूंकि छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के लिए प्रस्ताव पर शेयरों की कुल संख्या 35,00,000 है और न्यूनतम बोली लॉट 20 शेयर है, उन विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) की अधिकतम संख्या 1,75,000 होगी जिन्हें यह न्यूनतम बोली लॉट आबंटित किया जा सकता है । दूसरे शब्दों में, 1,75,000 छोटे आवेदक न्यूनतम बोली लॉट प्राप्त करेंगे और शेष 25,000 छोटे आवेदकों को आबंटन नहीं मिलेगा ।

आबंटन के ब्यौरे निम्नानुसार होंगे :

लॉट की सं.	प्रत्येक लॉट में शेयरों की सं.	प्रत्येक लॉट में आवेदन करने वाले छोटे विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) की सं.	शेयरों की कुल सं. - जिनके लिए प्रत्येक लॉट में आवेदन किया	उन विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) की सं. जो न्यूनतम बोली-लॉट (बिड-लॉट) प्राप्त करेंगे (चयन लॉटरी के आधार पर किया जाना है)
क	ख	ग	घ=(ख*ग)	₹
1	20	10,000	2,00,000	8,750=(1,75,000/2,00,000)*10,000
2	40	10,000	4,00,000	8,750
3	60	10,000	6,00,000	8,750
4	80	10,000	8,00,000	8,750
5	100	20,000	20,00,000	17,500
6	120	20,000	24,00,000	17,500
7	140	15,000	21,00,000	13,125
8	160	20,000	32,00,000	17,500
9	180	10,000	18,00,000	8,750
10	200	15,000	30,00,000	13,125
11	220	10,000	22,00,000	8,750
12	240	10,000	24,00,000	8,750
13	260	10,000	26,00,000	8,750
14	280	5,000	14,00,000	4,375
15	300	15,000	45,00,000	13,125
16	320	10,000	32,00,000	8,750
कुल		2,00,000	328,00,000	1,75,000

टिप्पण : भारतीय निक्षेपागार रसीदों के प्रयोजनार्थ, न्यूनतम आवेदन आकार बीस हजार रुपये होगा । "

यू. के. सिन्हा, अध्यक्ष

[विज्ञापन III/4/69-जैडबी/12/असा.]

पाद टिप्पण :

- भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009, सं. एलएडी-एनआरओ/जीएन/2009-10/15/174471 द्वारा, 26 अगस्त 2009 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे ।
- भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009 तत्पश्चात् :-
 (क) 11 दिसम्बर 2009 को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) (संशोधन) विनियम, 2009, सं. एलएडी-एनआरओ/जीएन/2009-10/23/186926, द्वारा
 (ख) 1 जनवरी 2010 को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) (संशोधन) विनियम, 2010, सं. एलएडी-एनआरओ/जीएन/2009-2010/25/189240, द्वारा

(ग) 8 जनवरी 2010 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2010, सं. एलएडी-एनआरओ/जीएन/2009-10/26/190146, द्वारा

(घ) 13 अप्रैल 2010 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) (तीसरा संशोधन) विनियम, 2010, सं. एलएडी-एनआरओ/जी.एन./2010-11/03/1104, द्वारा

(ङ) 12 नवम्बर 2010 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) (चौथा संशोधन) विनियम, 2010, सं. एलएडी-एनआरओ/जीएन/2010-11/19/26456, द्वारा

(च) 29 अप्रैल 2011 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) (संशोधन) विनियम, 2011, फा. सं. एल.ए.डी.-एन.आर.ओ./जीएन/2011-12/05/13907, द्वारा

(छ) 23 सितम्बर 2011 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2011, फा. सं. एलएडी-एनआरओ/जीएन/2011-12/25/30309, द्वारा

(ज) 30 जनवरी 2012 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) (संशोधन) विनियम, 2012, सं. एलएडी-एनआरओ/जीएन/2011-12/34/2499, द्वारा

(झ) 7 फरवरी 2012 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2012, सं. एलएडी-एनआरओ/जीएन/2011-12/35/3186, द्वारा

(ञ) 24 अगस्त 2012 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) (तीसरा संशोधन) विनियम, 2012, सं. एलएडी-एनआरओ/जीएन/2012-13/12/18951, द्वारा

संशोधित हुए थे।

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

NOTIFICATION

Mumbai, the 12th October, 2012

Securities and Exchange Board of India

(Issue of Capital and Disclosure Requirements) (Fourth Amendment) Regulations, 2012

No. LAD-NRO/GN/2012-13/18/5391.—In exercise of the powers conferred by Section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Board hereby makes the following Regulations to further amend the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009, namely :—

1. These regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) (Fourth Amendment) Regulations, 2012.

2. They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

३८९। ५०१२-५

3. In the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009 —

(i) in regulation 2, in sub-regulation (1), after clause (n), the following new clause shall be inserted, namely —

"(na) "General Corporate Purposes" include such identified purposes for which no specific amount is allocated or any amount so specified towards General Corporate Purpose or any such purpose by whatever name called, in the draft offer document filed with the Board:

Provided that any issue related expenses shall not be considered as a part of General Corporate Purpose merely because no specific amount has been allocated for such expenses in the draft offer document filed with the Board."

(ii) in regulation 4, after sub-regulation (3), the following new sub-regulation shall be inserted, namely—

"(4) The amount for general corporate purposes, as mentioned in objects of the issue in the draft offer document filed with the Board, shall not exceed twenty five per cent of the amount raised by the issuer by issuance of specified securities."

(iii) in regulation 5, -

(A) in sub-regulation (3), for the full stop, the symbol ":" shall be substituted;
 (B) after sub-regulation (3), the following proviso shall be inserted, namely,-

"Provided that where any of the merchant bankers is an associate of the issuer, it shall declare itself as a marketing lead manager and its role shall be limited to marketing of the issue."

(iv) in regulation 10, in sub-regulation (1), in clause (b) the words "five thousand crore rupees" shall be substituted with the words "three thousand crore rupees";

(v) in regulation 11, after sub-regulation (4), the following new sub-regulation shall be inserted, namely—

"(5) An issue shall be opened after at least three working days from the date of registering the red herring prospectus with the Registrar of Companies."

(vi) in regulation 13, in sub-regulation (2), in the proviso, the words "fifty per cent." shall be substituted with the words "seventy five per cent.".

(vii) in regulation 26, in sub-regulation (1), for clause (b), the following shall be substituted, namely—

"(b) it has a minimum average pre-tax operating profit of rupees fifteen crore, calculated on a restated and consolidated basis, during the three most profitable years out of the immediately preceding five years."

(viii) in regulation 26, sub-regulation (2) shall be substituted with the following, namely, -

"(2) An issuer not satisfying the condition stipulated in sub-regulation (1) may make an initial public offer if the issue is made through the book-building process and the issuer undertakes to allot, at least seventy five percent of the net offer to public, to qualified institutional buyers and to refund full subscription money if it fails to make the said minimum allotment to qualified institutional buyers."

(ix) in regulation 30, -

(A) in sub-regulation (2),

- (i) the words "If the floor price or price band is not mentioned in the red herring prospectus," shall be omitted;
- (ii) the words "two working days" shall be substituted with the words "five working days";

(B) after sub-regulation (3), the following new sub-regulation shall be inserted, namely:-

"(3A) The announcement referred to in sub-regulation (2) and the relevant financial ratios referred to in sub-regulation (3) shall be disclosed on the websites of those stock exchanges where the securities are proposed to be listed and shall also be pre-filled in the application forms available on the websites of the stock exchanges."

(x) in regulation 32, in sub-regulation (1) -

- (A) in clause (a), for the symbol ";" the symbol ":" shall be substituted;
- (B) after clause (a) the following proviso shall be inserted, namely,-

"Provided that in case the post issue shareholding of the promoters is less than twenty per cent., alternative investment funds may contribute for the purpose of meeting the shortfall in minimum contribution as specified for promoters, subject to a maximum of ten per cent of the post issue capital."

(xi) in regulation 33, in sub-regulation (1)-

- A. in clause (b), after the words "acquired by promoters", the words "and alternative investment funds", shall be inserted.
- B. In clause (b), in the proviso, in para (i), after the words "if promoters", the words and symbol "/alternative investment funds, as applicable", shall be inserted.
- C. In clause (c), after the words "allotted to promoters", the words "and alternative investment funds", shall be inserted.

(xii) in regulation 36, in clause (a), after the words "minimum promoters' contribution" and before the words "shall be", the words and symbols "including contribution made by alternative investment funds, referred to in proviso to clause (a) of sub-regulation (1) of regulation 32," shall be inserted.

(xiii) in regulation 43,

(A) sub-regulation (2) shall be substituted with the following, namely -

"(2) In an issue made through the book building process under sub-regulation (1) of regulation 26, the allocation in the net offer to public category shall be as follows:

- (a) not less than thirty five per cent to retail individual investors;
- (b) not less than fifteen per cent to non-institutional investors;
- (c) not more than fifty per cent to qualified institutional buyers, five per cent. of which shall be allocated to mutual funds;

Provided that in addition to five per cent allocation available in terms of clause (c), mutual funds shall be eligible for allocation under the balance available for qualified institutional buyers.";

(B) after sub-regulation (2), the following new sub-regulation shall be inserted, namely:-

"(2A) In an issue made through the book building process under sub-regulation (2) of regulation 26, the allocation in the net offer to public category shall be as follows:

- (a) not more than ten per cent to retail individual investors;
- (b) not more than fifteen per cent to non-institutional investors;
- (c) not less than seventy five per cent to qualified institutional buyers, five per cent. of which shall be allocated to mutual funds:

Provided that in addition to five per cent. allocation available in terms of clause (c), mutual funds shall be eligible for allocation under the balance available for qualified institutional buyers."

(xiv) in regulation 49, in sub-regulation (1), the words "five thousand rupees to seven thousand rupees" shall be substituted with the words "ten thousand rupees to fifteen thousand rupees".

(xv) in regulation 50,-

- (A) in sub-regulation (1), after the words "to applicants other than" and before the words "anchor investors", the words "retail individual investors and" shall be inserted;
- (B) after sub-regulation (1) the following new sub-regulation shall be inserted, namely,-

"(1A) The allotment of specified securities to each retail individual investor shall not be less than the minimum bid lot, subject to availability of shares in retail individual investor category, and the remaining available shares, if any, shall be allotted on a proportionate basis."

(xvi) after regulation 51, the following new regulation shall be inserted, namely,-

"Annual Updation of Offer Document

51A. The disclosures made in the red herring prospectus while making an initial public offer, shall be updated on an annual basis by the issuer and shall be made publicly accessible in the manner specified by the Board."

(xvii) in regulation 57, in sub-regulation (2), -

(A) in clause (b), for the full stop the symbol ":" shall be substituted;

(B) after clause (b), the following proviso shall be inserted, namely-

"Provided that in the case of a further public offer or a rights issue, the offer document shall be deemed to be in compliance with the provisions of this regulation, if suitable references are made to the updated disclosures in the offer document referred to in regulation 51A of these regulations."

(xviii) in regulation 85, -

(A) in sub-regulation (1), for the full stop the symbol ":" shall be substituted;

(B) after sub-regulation (1), following proviso shall be inserted, namely, -

"Provided that the issuer may offer a discount of not more than five per cent. on the price so calculated for the qualified institutions placement, subject to approval of shareholders as specified in clause (a) of regulation 82 of these regulations."

(xix) in Schedule VI, in Form A, after para (16), following new Para shall be inserted, namely -

"(17) We certify that profits from related party transactions have arisen from legitimate business transactions."

(xx) in Schedule VII, -

(A) in para (1), -

(I) in clause (d), -

- (i) the words "or deletion" shall be omitted;
- (ii) the words "a change" shall be substituted with the words "an increase";
- (iii) the words "ten per cent" shall be substituted with the words "twenty per cent";
- (iv) after the full stop, the following shall be inserted, namely, -

"However, if there are grounds to believe that there is an exacerbation of risk on account of deletion of an object resulting in a decrease in issue size by more than twenty per cent., the Board may require fresh filing of the offer document along with fees."

(II) in clause (e), the words "ten per cent" shall be substituted with the words "twenty per cent";

(III) in clause (f), -

- (i) the word "or decrease" shall be omitted;
- (ii) the words "ten per cent." shall be substituted with the words "twenty per cent".

3891 4912-5

(B) in para (2), in clause (a), in sub-clause (iii), the words and symbols "by not more than 10%" shall be substituted with the words and symbols "by more than 10% and not exceeding 20%."

(xxi) in Schedule VIII, in Part A, in para 2, in item (I), in sub-item (A), in clause (2), in sub-clause (i), after the full stop, the following shall be inserted, namely,-

"Where any of the merchant bankers is an associate of the issuer, it shall disclose the same and shall declare itself to be a 'Marketing Lead Manager'."

(xxii) in Schedule XI, in Part A,-

(A) in para 12, -

(I) for clause (i), the following clause shall be substituted, namely,-
"(i) The retail individual investors may either withdraw or revise their bids until finalization of allotment."

(II) for clause (j), the following clause shall be substituted, namely,-

"(j) The qualified institutional buyers and the non-institutional investors shall neither withdraw nor lower the size of their bids at any stage."

(B) in para 15, -

(I) in clause (a),-

(i) the words and symbol "retail individual investors," shall be omitted;
(ii) after the full stop, the following shall be inserted namely,-
"The allotment to retail individual investors shall be made as referred to in sub-regulation (1A) of regulation 50 of these regulations."

(II) in clause (b), in the proviso, the symbol and words "in case the book building process is undertaken for the purpose of compliance of eligibility conditions for public issue" shall be omitted.

(xxiii) for Schedule XIV, the following shall be substituted, namely:-

" Schedule XIV

[See regulation 49 (2)]

ILLUSTRATION EXPLAINING MINIMUM APPLICATION SIZE

For inviting applications in multiples of the minimum value as referred to in sub-regulation (2) of regulation 49, the procedure is clarified by following example:

Assuming an issue is being made at a price of Rs.900 per equity share. In this case, the issuer in consultation with the lead merchant banker can determine the minimum application lot within the range of 12 – 16 equity shares (in value terms between Rs.10,000- Rs.15,000), as explained hereunder:

Options	I	II	III	IV	V
Lot Size @ Rs.900/- per share	12 shares	13 shares	14 shares	15 shares	16 shares
Application / Bid amount for 1 lots	10800	11700	12600	13500	14400
Application / Bid amount for 2 lots	21600	23400	25200	27000	28800
Application / Bid amount for 4 lots	43200	46800	50400	54000	57600
Application / Bid amount for 8 lots	86400	93600	100800	108000	115200
Application / Bid amount for 16 lots	172800	187200	--	--	--
Application / Bid amount for 18 lots	194400	--	--	--	--

The options given above are only illustrative and not exhaustive.

Where the issuer in consultation with the lead merchant banker decides to fix the minimum application / bid size as 14 (Option III), necessary disclosures to the effect that the applicant can make an application for 14 shares and in multiples thereof shall be made in the offer document."

(xxiv) for Schedule XV, the following shall be substituted, namely:-

" Schedule XV
[See regulation 50 (2), 106 and Schedule XI]

ILLUSTRATION EXPLAINING PROCEDURE OF ALLOTMENT

A.

(1) Total no. of specified securities on offer@ Rs. 600 per share: 1 crore specified securities.

(2) Specified securities on offer for retail individual investors' category: 35 lakh specified securities.

(3) The issue is over-subscribed 2.5 times whereas the retail individual investors' category is oversubscribed 4 times.

(4) Issuer decides to fix the **minimum application / bid size as 20** specified securities (falling within the range of Rs. 10,000 - 15,000). Application can be made for a minimum of 20 specified securities and in multiples thereof.

(5) Assume that a total of **one lakh retail individual investors** have applied in the issue, in varying number of bid lots i.e. between 1 – 16 bid lots, based on the maximum application size of upto Rs. 2,00,000.

(6) Out of the one lakh investors, there are five retail individual investors A, B, C, D and E who have applied as follows: A has applied for 320 specified securities. B has applied for 220 specified securities. C has applied for 120 specified securities. D has applied for 60 specified securities and E has applied for 20 specified securities.

38914712-6

(7) As per allotment procedure, the allotment to retail individual investors shall not be less than the minimum bid lot, subject to availability of shares, and the remaining available shares, if any, shall be allotted on a proportionate basis.

The actual entitlement shall be as follows:

Sr. No.	Name of Investor	Total Number of specified securities applied for	Total number of specified securities eligible to be allotted
1	A	320	20 specified securities (i.e. the minimum bid lot) + 38 specified securities $\{ (35,00,000 - (1,00,000 * 20)) / (140,00,000 - (1,00,000 * 20)) \} * 300$ (i.e. 320-20)
2	B	220	20 specified securities (i.e. the minimum bid lot) + 25 specified securities $\{ (35,00,000 - (1,00,000 * 20)) / (140,00,000 - (1,00,000 * 20)) \} * 200$ (i.e. 220-20)
3	C	120	20 specified securities (i.e. the minimum bid lot) + 13 specified securities $\{ (35,00,000 - (1,00,000 * 20)) / (140,00,000 - (1,00,000 * 20)) \} * 100$ (i.e. 120-20)
4	D	60	20 specified securities (i.e. the minimum bid lot) + 5 specified securities $\{ (35,00,000 - 1,00,000 * 20) / (140,00,000 - (1,00,000 * 20)) \} * 40$ (i.e. 60-20)
5	E	20	20 specified securities (i.e. the minimum bid lot)

B.

(1) Total no. of specified securities on offer @ Rs. 600 per share: 1 crore specified securities.

(2) Specified securities on offer for retail individual investors' category: 35 lakh specified securities.

(3) The issue is over subscribed 7 times whereas the retail individual investors' category is over subscribed 9.37 times.

(4) Issuer decides to fix the minimum application / bid size as 20 specified securities (falling within the range of Rs. 10,000 - 15,000). Application can be made for a minimum of 20 specified securities and in multiples thereof.

(5) Assume that a total of two lakh retail individual investors have applied in the issue, in varying number of bid lots i.e. between 1 – 16 bid lots, based on the maximum application size of upto Rs. 2,00,000, as per the table shown below.

(6) As per allotment procedure, the allotment to retail individual investors shall not be less than the minimum bid lot, subject to availability of shares.

(7) Since the total number of shares on offer to retail individual investors is 35,00,000 and the minimum bid lot is 20 shares, the maximum no. of investors who can be allotted this minimum bid

lot will be 1,75,000. In other words, 1,75,000 retail applicants will get the minimum bid lot and the remaining 25,000 retail applicants will not get allotment.

The details of allotment shall be as follows:

No. of Lots	No. of Shares at each lot	No. of retail Investors applying at each lot	Total No. of Shares applied for at each lot	No. of investors who shall receive minimum bid-lot (to be selected on lottery)
A	B	C	D=(B*C)	E
1	20	10,000	2,00,000	$8,750 = (1,75,000/2,00,000)*10,000$
2	40	10,000	4,00,000	8,750
3	60	10,000	6,00,000	8,750
4	80	10,000	8,00,000	8,750
5	100	20,000	20,00,000	17,500
6	120	20,000	24,00,000	17,500
7	140	15,000	21,00,000	13,125
8	160	20,000	32,00,000	17,500
9	180	10,000	18,00,000	8,750
10	200	15,000	30,00,000	13,125
11	220	10,000	22,00,000	8,750
12	240	10,000	24,00,000	8,750
13	260	10,000	26,00,000	8,750
14	280	5,000	14,00,000	4,375
15	300	15,000	45,00,000	13,125
16	320	10,000	32,00,000	8,750
Total		2,00,000	328,00,000	1,75,000

Note: For the purpose of IDR, minimum application size shall be twenty thousand rupees.

U. K. SINHA, Chairman

[ADVT. III/4/69-ZB/12/Exty.]

Footnote:

1. The SEBI (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009 were published in the Gazette of India on 26th August, 2009 vide No. LAD-NRO/GN/2009-10/15/174471.
2. The SEBI (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009 were subsequently amended on:-
 - (a) 11th December, 2009 by Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) (Amendment) Regulations, 2009 vide No. LAD-NRO/GN/2009-10/23/186926.

- (b) 1st January, 2010 by Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) (Amendment) Regulations, 2010 vide No. LAD-NRO/GN/2009-2010/25/189240.
- (c) 8th January, 2010 by Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) (Second Amendment) Regulations, 2010 vide No. LAD-NRO/GN/2009-10/26/190146.
- (d) 13th April, 2010 by Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) (Third Amendment) Regulations, 2010 vide No. LAD-NRO/GN/2010-11/03/1104.
- (e) 12th November, 2010 by Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) (Fourth Amendment) Regulations, 2010 vide No. LAD-NRO/GN/2010-11/19/26456.
- (f) 29th April, 2011 by Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) (Amendment) Regulations, 2011 vide F. No. LAD-NRO/GN/2011-12/05/13907.
- (g) 23rd September, 2011 by Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) (Second Amendment) Regulations, 2011 vide F. No. LAD-NRO/GN/2011-12/25/30309.
- (h) 30th January, 2012 by Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) (Amendment) Regulations, 2012 vide No. LAD-NRO/GN/2011-12/34/2499.
- (i) 7th February, 2012 by Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) (Second Amendment) Regulations, 2012 vide No. LAD-NRO/GN/2011-12/35/3186.
- (j) 24th August 2012 by Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) (Third Amendment) Regulations, 2012 vide No. LAD-NRO/GN/2012-13/12/18951.